



Research Article

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन

A Study of the Relationship between Emotional Intelligence and Job Satisfaction among Lecturers Working in Senior Secondary Schools

सुमेर^{1*}, डॉ. विनोद भाम्बू²

¹ शोधार्थी, शिक्षा विभाग अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, भारत

² पर्यवेक्षक, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, भारत

Corresponding Author: * सुमेर

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.22771322>

सारांश

शिक्षक शिक्षा-प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण आधार है तथा उसकी कार्यकुशलता, कार्य-व्यवहार एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता अनेक मनोवैज्ञानिक एवं व्यावसायिक कारकों से प्रभावित होती है। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में व्याख्याताओं से केवल विषयगत ज्ञान एवं शिक्षण-दक्षता की अपेक्षा नहीं की जाती, बल्कि विद्यार्थियों, सहकर्मियों तथा संस्थागत परिस्थितियों के साथ प्रभावी समायोजन की क्षमता भी अपेक्षित होती है। इस संदर्भ में संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक एवं व्यावसायिक चर के रूप में देखी जाती हैं। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति की स्वयं तथा अन्य व्यक्तियों के संवेगों को पहचानने, समझने, नियंत्रित करने एवं परिस्थितियों के अनुरूप उनका प्रभावी उपयोग करने की क्षमता से संबंधित है, जबकि व्यावसायिक संतुष्टि व्यक्ति द्वारा अपने कार्य, कार्य-परिस्थितियों एवं व्यावसायिक अनुभवों के प्रति अनुभव की जाने वाली संतुष्टि को व्यक्त करती है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के स्तर का अध्ययन करना तथा दोनों चरों के मध्य संबंध का निर्धारण करना है। अध्ययन के लिए जयपुर शहर की नगर सीमा के अंतर्गत स्थित मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं को अध्ययन की जनसंख्या के रूप में निर्धारित किया गया है। अध्ययन हेतु 200 व्याख्याताओं का न्यादर्श चयनित किया गया। आँकड़ों के संकलन के लिए संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि से संबंधित मानकीकृत मापनियों का प्रयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण के लिए मध्यमान, मानक विचलन तथा Pearson Product-Moment सहसंबंध गुणांक जैसी सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध को समझने में सहायक होंगे। साथ ही, अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षक-कल्याण, व्यावसायिक विकास तथा विद्यालयी कार्य-परिवेश को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में उपयोगी आधार प्रदान कर सकते हैं। यह अध्ययन शिक्षा-प्रशासन एवं शिक्षक-प्रशिक्षण से जुड़े व्यक्तियों के लिए व्याख्याताओं की संवेगात्मक दक्षताओं के विकास तथा व्यावसायिक संतुष्टि में वृद्धि हेतु उपयुक्त कार्यक्रमों एवं रणनीतियों के निर्धारण में उपयोगी हो सकता है।

Manuscript Information

- ISSN No: 3139-6313
- Received: 13-08-2026
- Accepted: 23-08-2026
- Published: 15-09-2026
- IJCPR:1(5); 2026: 31-36
- ©2026, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

सुमेर, भाम्बू वि. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन.

A Study of the Relationship between Emotional Intelligence and Job Satisfaction among Lecturers Working in Senior Secondary Schools. Int. J. Creative Res. Publ. 2026;1(5):31-36.

Access this Article Online



www.jcrp.in

मुख्य शब्द : संवेगात्मक बुद्धि, व्यावसायिक संतुष्टि, व्याख्याता, उच्च माध्यमिक विद्यालय, सहसंबंधात्मक अध्ययन, शिक्षक व्यावसायिक विकास।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके द्वारा व्यक्ति के ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक पक्षों का विकास होता है। शिक्षा व्यवस्था की सफलता में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक विकास एवं भावात्मक विकास को दिशा देने वाला मार्गदर्शक भी होता है।

उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण चरण है, जहाँ वे उच्च शिक्षा, भविष्य एवं व्यावसायिक जीवन से संबंधित निर्णयों की ओर बढ़ते हैं। इस स्तर पर कार्यरत व्याख्याताओं को विषय-शिक्षण के साथ विद्यार्थियों की व्यक्तिगत भिन्नताओं, आवश्यकताओं एवं भावात्मक परिस्थितियों को भी समझना पड़ता है। विद्यालयी कार्य-परिस्थितियों में कार्यभार, प्रशासनिक दायित्व, समय-प्रबंधन, विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं तथा सहकर्मियों के साथ समन्वय जैसी परिस्थितियाँ व्याख्याताओं के व्यावसायिक जीवन को प्रभावित करती हैं।

ऐसी परिस्थितियों में संवेगात्मक बुद्धि का विशेष महत्व है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को अपने तथा दूसरों के संवेगों को पहचानने, समझने एवं उनका उचित प्रबंधन करने में सक्षम बनाती है। संवेगात्मक रूप से सक्षम व्याख्याता विभिन्न विद्यालयी परिस्थितियों का संतुलित ढंग से सामना करते हुए विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों के साथ सकारात्मक संबंध स्थापित कर सकता है।

इसी प्रकार व्यावसायिक संतुष्टि व्यक्ति के कार्य एवं कार्य-परिस्थितियों के प्रति उसके संतोष से संबंधित है। कार्य का वातावरण, दायित्व, पारस्परिक संबंध एवं अन्य व्यावसायिक परिस्थितियाँ उसकी व्यावसायिक संतुष्टि को प्रभावित करती हैं। व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि और व्यावसायिक संतुष्टि दोनों उनके व्यावसायिक जीवन के महत्वपूर्ण पक्ष हैं। अतः उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन करना शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

अध्ययन का औचित्य

वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में शिक्षक की भूमिका निरंतर व्यापक होती जा रही है। उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं को शिक्षण कार्य के साथ-साथ विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, विद्यालयी गतिविधियों में सहभागिता, प्रशासनिक दायित्वों तथा विभिन्न व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे कार्य भी करने पड़ते हैं। ऐसी परिस्थितियों में व्याख्याताओं का भावात्मक संतुलन तथा अपने कार्य के प्रति संतुष्टि उनके व्यावसायिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को अपने संवेगों को समझने एवं नियंत्रित करने तथा दूसरों के संवेगों को पहचानने में सहायता प्रदान करती है। विद्यालयी परिवेश में यह क्षमता प्रभावी संप्रेषण, सकारात्मक पारस्परिक संबंधों तथा विभिन्न परिस्थितियों के साथ उचित समायोजन में सहायक हो सकती है। दूसरी ओर, व्यावसायिक संतुष्टि व्यक्ति के कार्य एवं कार्य-परिस्थितियों के प्रति उसके दृष्टिकोण और अनुभवों से संबंधित होती है।

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन करने से इन दोनों मनोवैज्ञानिक एवं व्यावसायिक पक्षों के पारस्परिक संबंध को

समझने में सहायता मिल सकती है। जयपुर शहर के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याता विविध सामाजिक, शैक्षिक एवं संस्थागत परिस्थितियों में कार्य करते हैं। अतः स्थानीय संदर्भ में इन दोनों चरों के मध्य संबंध का अध्ययन करना प्रासंगिक है। इससे प्राप्त निष्कर्ष व्याख्याताओं के व्यावसायिक विकास तथा अनुकूल विद्यालयी वातावरण के निर्माण में उपयोगी हो सकते हैं।

अतः उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।

तकनीकी शब्दों का पारिभाषीकरण

(क) संवेगात्मक बुद्धि

सैद्धांतिक अर्थ: संवेगात्मक बुद्धि से आशय व्यक्ति की उस क्षमता से है जिसके द्वारा वह अपने तथा दूसरों के संवेगों को पहचानता, समझता, नियंत्रित करता तथा परिस्थितियों के अनुरूप उनका प्रभावी उपयोग करता है।

क्रियात्मक अर्थ: प्रस्तुत अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि से आशय व्याख्याताओं द्वारा चयनित मानकीकृत संवेगात्मक बुद्धि मापनी पर प्राप्त कुल प्राप्तांकों से होगा।

(ख) व्यावसायिक संतुष्टि

सैद्धांतिक अर्थ: व्यावसायिक संतुष्टि से आशय व्यक्ति द्वारा अपने व्यवसाय, कार्य, कार्य-परिस्थितियों एवं व्यावसायिक अनुभवों के प्रति अनुभव की जाने वाली संतुष्टि से है।

क्रियात्मक अर्थ: प्रस्तुत अध्ययन में व्यावसायिक संतुष्टि से आशय व्याख्याताओं द्वारा चयनित मानकीकृत व्यावसायिक संतुष्टि मापनी पर प्राप्त कुल प्राप्तांकों से होगा।

(ग) व्याख्याता

प्रस्तुत अध्ययन में व्याख्याता से आशय जयपुर शहर के चयनित उच्च माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत उन शिक्षकों से होगा जो उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाओं में शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

(घ) उच्च माध्यमिक विद्यालय

प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक विद्यालय से आशय जयपुर शहर में संचालित उन मान्यता प्राप्त विद्यालयों से होगा जिनमें माध्यमिक स्तर के साथ उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाओं का संचालन किया जाता है।

(ङ) संबंध

प्रस्तुत अध्ययन में संबंध से आशय व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि तथा व्यावसायिक संतुष्टि के प्राप्तांकों के मध्य विद्यमान सांख्यिकीय सहसंबंध से होगा।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन करना।

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना

शून्य परिकल्पना (H_0): उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं है।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या में जयपुर शहर की नगर सीमा के अंतर्गत स्थित मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याता सम्मिलित हैं। अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर पर विभिन्न विषयों का शिक्षण करने वाले व्याख्याताओं को जनसंख्या के रूप में लिया गया है। जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तथा जयपुर शहर की नगर सीमा से बाहर स्थित विद्यालय इस जनसंख्या का हिस्सा नहीं हैं। अतः प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या जयपुर शहर की नगर सीमा के अंतर्गत स्थित मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं तक सीमित है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का अध्ययन करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (Descriptive Survey Method) का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के सहसंबंधात्मक स्वरूप के कारण संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के प्राप्तांकों के मध्य संबंध ज्ञात करने के लिए सहसंबंधात्मक शोध अभिकल्प (Correlational Research Design) का प्रयोग किया गया है।

इस विधि के अंतर्गत चयनित व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि से संबंधित आंकड़े संकलित किए गए हैं तथा दोनों चरों के प्राप्तांकों के मध्य सांख्यिकीय संबंध का निर्धारण किया

गया है। अध्ययन में किसी स्वतंत्र चर में शोधकर्ता द्वारा कृत्रिम रूप से परिवर्तन नहीं किया गया है, बल्कि व्याख्याताओं की वर्तमान स्थिति के आधार पर दोनों चरों के मध्य संबंध का अध्ययन किया गया है।

शोध अभिकल्प

प्रस्तुत अध्ययन में सहसंबंधात्मक शोध अभिकल्प (Correlational Research Design) का प्रयोग किया गया है। इस अभिकल्प के अंतर्गत दो प्रमुख चरों — संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य विद्यमान संबंध का अध्ययन किया गया है।

अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि को स्वतंत्र/पूर्वानुमानकारी चर तथा व्यावसायिक संतुष्टि को संबंधित परिणाम चर के रूप में लिया गया है। तथापि, अध्ययन का स्वरूप सहसंबंधात्मक होने के कारण प्राप्त संबंध की व्याख्या कारण-कार्य संबंध के रूप में नहीं की गई है।

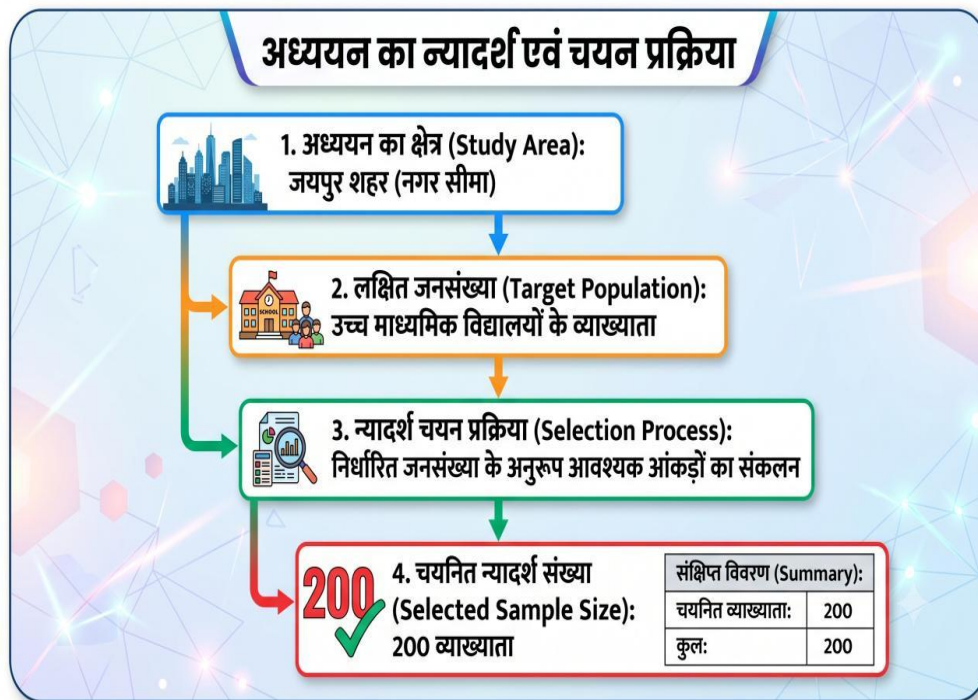
जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन की जनसंख्या में जयपुर शहर की नगर सीमा के अंतर्गत स्थित मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं को सम्मिलित किया गया है। इनमें उच्च माध्यमिक स्तर पर विभिन्न विषयों का शिक्षण करने वाले व्याख्याता शामिल हैं। जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तथा जयपुर शहर की नगर सीमा से बाहर स्थित विद्यालयों को अध्ययन की जनसंख्या में सम्मिलित नहीं किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्श चयन

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर शहर की नगर सीमा के अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 200 व्याख्याताओं को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया है। अध्ययन के लिए चयनित व्याख्याताओं से संबंधित आवश्यक आंकड़ों का संकलन किया गया है।

न्यादर्श के चयन में अध्ययन की निर्धारित जनसंख्या के अनुरूप चयनित व्याख्याताओं को सम्मिलित किया गया है। अध्ययन में कुल 200 व्याख्याताओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया है।



अध्ययन के चर

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित दो प्रमुख चरों का अध्ययन किया गया है—



शोध उपकरण

अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मापन हेतु दो मानकीकृत शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

1 संवेगात्मक बुद्धि मापनी

व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि के मापन के लिए चयनित मानकीकृत संवेगात्मक बुद्धि मापनी का प्रयोग किया गया है। इस उपकरण से संबंधित लेखक, संस्करण, आयाम, मदों की संख्या,

अंकन विधि, विश्वसनीयता एवं वैधता संबंधी विवरण अध्ययन में प्रस्तुत किया गया है।

2. व्यावसायिक संतुष्टि मापनी

व्याख्याताओं की व्यावसायिक संतुष्टि के मापन के लिए चयनित मानकीकृत व्यावसायिक संतुष्टि मापनी का प्रयोग किया गया है। उपकरण के माध्यम से व्याख्याताओं की अपने कार्य एवं कार्य-परिस्थितियों के प्रति संतुष्टि का मापन किया गया है।

उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता

अध्ययन में प्रयुक्त दोनों शोध उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता का परीक्षण उपलब्ध मानकीकृत प्रमाणों के आधार पर किया गया है। उपकरणों के चयन में उनकी विश्वसनीयता, वैधता तथा अध्ययन की जनसंख्या के लिए उपयुक्तता को ध्यान में रखा गया है। उपकरणों के हिंदी रूपांतर का प्रयोग किए जाने की स्थिति में भाषा की स्पष्टता एवं विषय-वस्तु की उपयुक्तता का भी ध्यान रखा गया है। अध्ययन में प्रयुक्त उपकरणों की विश्वसनीयता एवं वैधता से संबंधित वास्तविक मान प्राप्तांकों को ही प्रस्तुत किया गया है।

आँकड़ा संकलन की प्रक्रिया

अध्ययन के लिए चयनित 200 व्याख्याताओं से संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि से संबंधित आँकड़े निर्धारित शोध उपकरणों के माध्यम से संकलित किए गए। व्याख्याताओं को उपकरणों के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए तथा उनके द्वारा दिए गए उत्तरों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संकलित किया गया। प्राप्त प्रश्नावलियों की जाँच के पश्चात आवश्यक आँकड़ों को व्यवस्थित एवं वर्गीकृत किया गया। तत्पश्चात आँकड़ों को सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए तैयार किया गया।

आँकड़ों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक अध्ययन के उद्देश्यों एवं शोध परिकल्पना के परीक्षण के लिए निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया है—

सहसंबंध गुणांक (Correlation Coefficient)

तालिका: संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसंबंध

चर	N	सहसंबंध मूल्य (r)	p-value	परिणाम
संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि	200	0.41	< 0.001	मध्यम सकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध

मुख्य परिणाम:

- संवेगात्मक बुद्धि और व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य सहसंबंध गुणांक $r = 0.41$ प्राप्त हुआ है।
- यह सहसंबंध सांख्यिकीय रूप से पूर्णतः सार्थक ($p < 0.001$) पाया गया है।

संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध ज्ञात करने के लिए Pearson's Product-Moment Correlation Coefficient (r) का प्रयोग किया गया है।

सार्थकता परीक्षण

प्राप्त सहसंबंध गुणांक की सांख्यिकीय सार्थकता का परीक्षण 0.05 सार्थकता स्तर पर किया गया है।

शोध परिकल्पना का परीक्षण

शून्य परिकल्पना (H_0): उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं की संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं है।

उक्त परिकल्पना के परीक्षण के लिए संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के प्राप्तांकों के मध्य Pearson Product-Moment Correlation Coefficient (r) की गणना की गई है तथा प्राप्त सहसंबंध गुणांक की सांख्यिकीय सार्थकता का परीक्षण किया गया है।

अध्ययन की परिसीमन

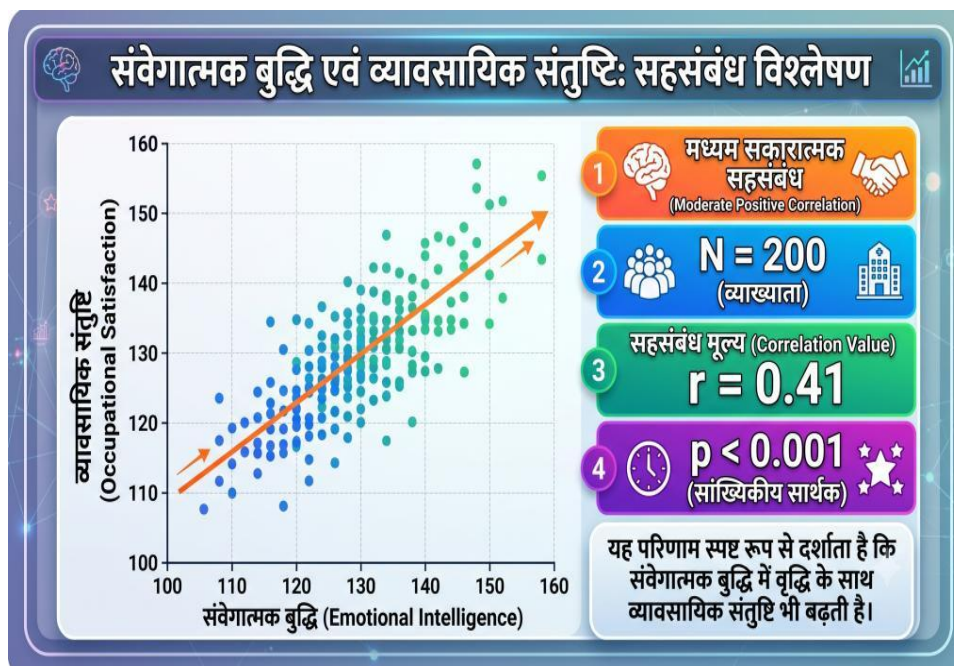
प्रस्तुत अध्ययन की परिसीमन निम्नलिखित है—

- अध्ययन जयपुर शहर की नगर सीमा तक सीमित है।
- अध्ययन में मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत व्याख्याताओं को सम्मिलित किया गया है।
- अध्ययन का न्यादर्श 200 व्याख्याताओं तक सीमित है।
- अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि दो प्रमुख चरों के रूप में लिए गए हैं।
- आँकड़ों के संकलन के लिए चयनित मानकीकृत शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

निष्कर्ष

अध्ययन से प्राप्त आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करने के पश्चात संवेगात्मक बुद्धि एवं व्यावसायिक संतुष्टि के मध्य संबंध का निर्धारण किया गया है। प्राप्त सांख्यिकीय परिणामों के आधार पर शोध परिकल्पना के संबंध में निष्कर्ष निर्धारित किया गया है।

- दोनों चरों के मध्य मध्यम स्तर का सकारात्मक सहसंबंध विद्यमान है।
- यह परिणाम सीधे तौर पर स्पष्ट करता है कि संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि के साथ व्यावसायिक संतुष्टि में भी वृद्धि होती है।



संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Brayfield AH, Rothe HF. An index of job satisfaction. J Appl Psychol. 1951;35(5):307-311. doi:10.1037/h0055617.
2. Dey A, Roy NR. Construction and validation of emotional intelligence scale for secondary school teachers. J Educ Cult Psychol Stud. 2022;(26).
3. Goleman D. Emotional intelligence: Why it can matter more than IQ. New York: Bantam Books; 1995.
4. Mayer JD, Salovey P. What is emotional intelligence? In: Salovey P, Sluyter D, editors. Emotional development and emotional intelligence: Educational implications. New York: Basic Books; 1997. p. 3-31.
5. Salovey P, Mayer JD. Emotional intelligence. Imagin Cogn Pers. 1990;9(3):185-211.
6. Schutte NS, Malouff JM, Hall LE, Haggerty DJ, Cooper JT, Golden CJ, et al. Development and validation of a measure of emotional intelligence. Pers Individ Dif. 1998;25(2):167-177. doi:10.1016/S0191-8869(98)00001-4.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-Commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.

About the author



सुमेर शिक्षा विषय की शोधार्थी हैं तथा अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान के शिक्षा विभाग से संबद्ध हैं। वे शिक्षा के विभिन्न आयामों पर शोध एवं अकादमिक अध्ययन कर रही हैं। उनका शोध कार्य शैक्षिक प्रक्रियाओं, विद्यार्थियों के विकास तथा समकालीन शिक्षा से जुड़े विषयों के अध्ययन पर केंद्रित है।

डॉ. विनोद भाम्बू शिक्षा विभाग, अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। वे शिक्षण, शोध एवं अकादमिक मार्गदर्शन से जुड़े हैं। उनका शैक्षिक एवं शोध कार्य शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है तथा वे शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।